KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 9

उपनिवेशवाद और देहात

भाग - 3

पंकज वैष्णव

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा 12 के लिए
इतिहास की पाठ्यपुस्तक

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग 3

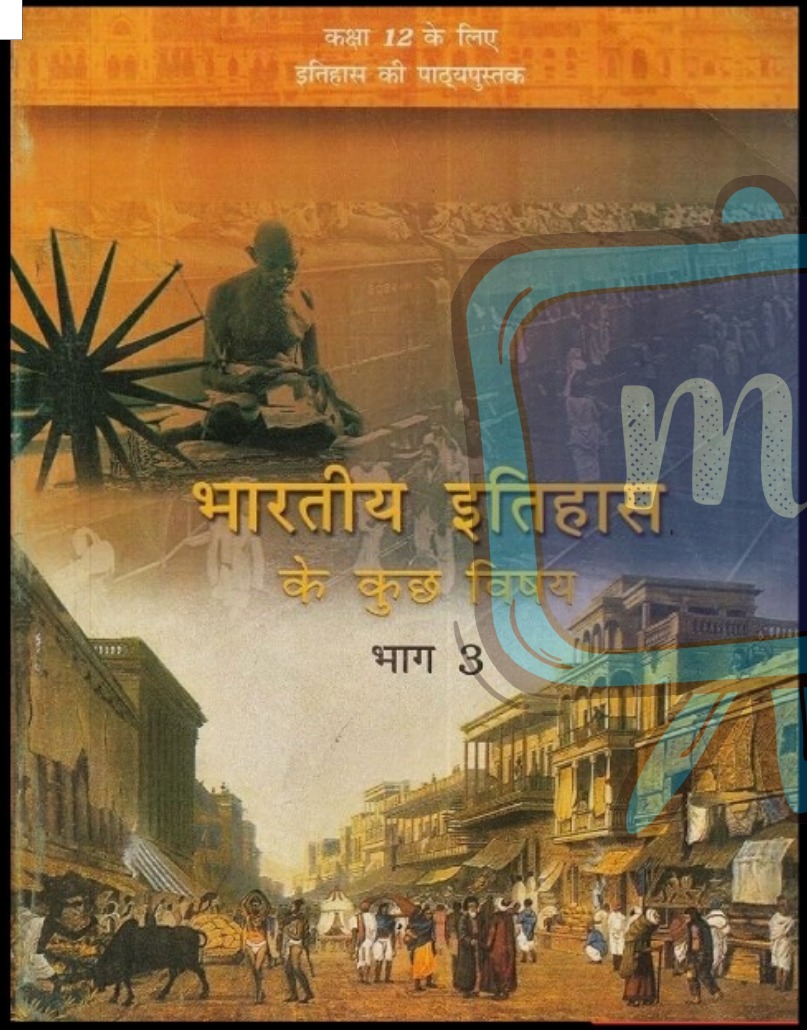

विषय सूची

आमुख iii
पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन v
अध्ययन का केंद्रबिंदु निश्चित करना vii
इस पुस्तक का कैसे प्रयोग किया जाए? xiii

भाग 3

विषय नौ
उपनिवेशवाद और देहात 227
सरकारी अभिलेखों का अध्ययन

विषय दस
विद्रोही और राज 258
1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान

विषय ग्यारह
महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन 286
सविनय अवज्ञा और उससे आगे

विषय बारह
संविधान का निर्माण 316
एक नए युग की शुरुआत



© not to be republished

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

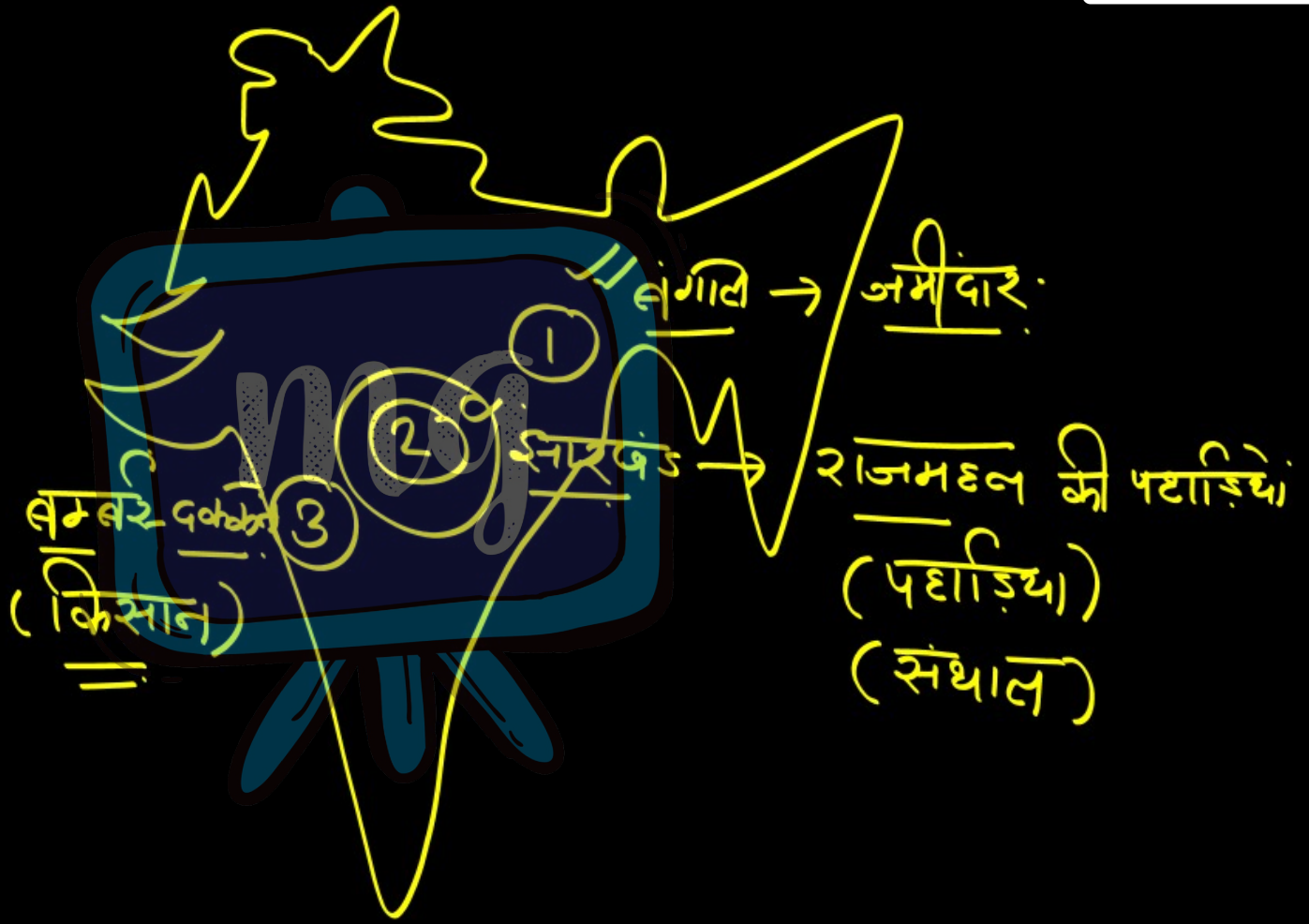

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



फ्रांसिस बुकानन

बड़ी खतरनाक जगह !

बंगाल
(नीली जमीन)
(स्थायी कृषि)

राजमहल पहाड़ियां
(सूखी जमीन)
(सम कृषि)

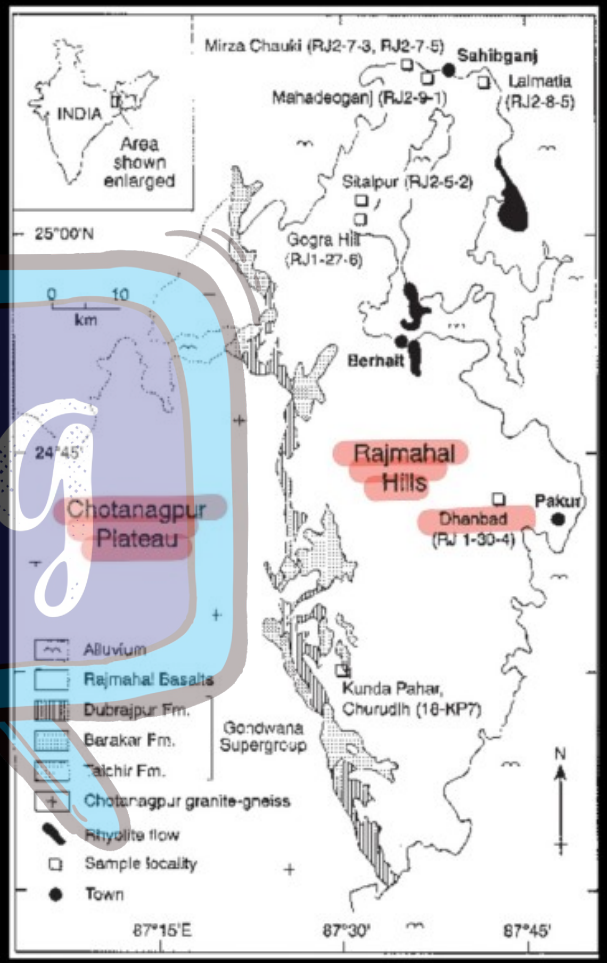

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



राजमहल

पहाड़िया

- खेती
- वन उपज - झूम
- चारागाह
- व्यापारी रास्ते (इजाज़त)
- ज़मींदार (स्वराज) कर

अंग्रेजों - कटाई

कृषि विस्तार

1770 - निर्मम नीति

1790 - क्लीवलैण्ड → ज्ञाते नीति

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शांति नीति ⟶ मुखिया - भत्ता

चाल - चलन ठीक रखो

परिवर्तन

जंगल ⟶ सफाई : संथाल



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1780- संथाल बंगाल आगमन

ब्रिटिश

- संथाल ✓ → आदर्श कृषक
- पहाड़िया ✗ → काबू में नहीं

1832 - "दामिन इ कोह" → संथालो की भूमि घोषित

संथालो के गांवो को बढ़ोतरी

→ संथाल भी परेशान ??

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

साहूकार —ब्याज→ संथाल ←राजस्व— सरकार

(दिकू)

1855 - संथाल विद्रोह

1857

परगना

(भागलपुर + बीरभूम)

→ विशेष कानून

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER









सिधू मांसी

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. कुदाल और हल

- कुदाल : पहाड़िया लोगों के जीवन का प्रतीक
- हल : नए बाशिंदों (संथाल) की शक्ति का प्रतीक
- राजमहल की पहाड़ियां – झारखण्ड
- यहां पहाड़िया लोग रहते थे।
- झूम खेती करते थे।
  - रेशम कोया
  - लकड़ी - काठकोयला
  - चारागाह
- अंग्रेजों के द्वारा कृषि भूमि का विस्तार किया गया।
- ज्यों - ज्यों स्थायी कृषि का विस्तार होता गया जंगलों व चारागाहों का क्षेत्र संकुचित होता गया।

झूम खेती

पेड़-पौधों को काटकर जला दिया जाता है।
↓
उर्वर —— खेती
↳ परती छोड़ दिया जाता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



पहाड़ी लोगों और स्थायी खेतीहरों के बीच झगड़ा तेज होता गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संथाल – अगुआ बाशिंदे

संथाल विद्रोह :- 1855-56

- संथाल लोग 1780 के आस-पास बंगाल में आने लगे थे।
- संथाल मुख्यत: कृषक थे।
- जमींदार लोगों ने नयी कृषि भूमि तैयार करने और कृषि क्षेत्र का विस्तार करने के लिए इन्हें आमंत्रित किया।
- 1832 तक, जमीन के एक काफी बड़े इलाके को "दामिन-ए-कोह" के रूप में सीमांकित कर दिया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दामिन-ए-कोह - यह भागलपुर से राजमहल तक का वन क्षेत्र था।

ब्रिटिश सरकार द्वारा दामिन-ए-कोह का निर्माण संथाल समुदाय को बसाने के लिए किया गया था।

↓

सरकार (राज्य) ने भारी कर लगाए।

↓

साहूकार (दिकू) लोग संथालों की जमीन हड़प लेते थे।

संथाल विद्रोह हुआ - 1855-56
नेता - सिधू मांझी
प्रतीक - हल

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER





KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

संथालों के बारे में बुकानन के विचार

नयी ज़मीनें साफ़ करने में वे बहुत होशियार होते हैं लेकिन नीचता से रहते हैं। उनकी झोपड़ियों में कोई बाड नहीं होती और दीवारें सीधी खड़ी की गई छोटी-छोटी सटी हुई लकड़ियों की बनी होती हैं जिन पर भीतर की ओर लेप (पलस्तर) लगा होता है। झोपड़ियाँ छोटी और मैली-कुचैली होती हैं; उनकी छत सपाट होती हैं, उनमें उभार बहुत कम होता है।

कड़ुआ के पास की चट्टानें

बुकानन की पत्रिका निम्नलिखित ऐसे प्रेक्षणों से भरी पड़ी है:

> आगे लगभग एक मील चलने के बाद में (मैं) चट्टानों के एक शिलाफलक पर आ गया; जिसका कोई यह एक छोटा दानेदार ग्रेनाइट है जिसमें लाल-लाल फेल्डस्पार, क्वार्ट्ज़ और काला अबरक लगा है... वहाँ से आधा मील से अधिक की दूरी पर मैं एक अन्य चट्टान पर आया वह भी स्तरहीन थी और उसमें बारीक दानों वाला ग्रेनाइट था जिसमें पीला-सा फेल्डस्पार, सफ़ेद-सा क्वार्ट्ज़ और काल, अबरक था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वनों की बटाई और स्थायी कृषि के बारे में

निचली राजमहल की पहाड़ियों में एक गाँव से गुजरते हुए, बुकानन ने लिखा:

इस प्रदेश का दृश्य बहुत ही बढ़िया है; यहाँ की खेती विशेष रूप से, घुमावदार संकरी घाटियों में धान की फ़सल, बिखरे हुए पेड़ों के साथ साफ़ की गई जमीन, और चट्टानी पहाड़ियाँ सभी अपने आप में पूर्ण हैं, कमी है तो बस इस क्षेत्र में कुछ प्रगति की और विस्तृत तथा उन्नत खेती की, जिनके लिए यह प्रदेश अत्यंत संवेदनशील है। यहाँ लकड़ी की जगह टसर और लाख के लिए आवश्यकतानुसार बड़े-बड़े बागान लगाए जा सकते हैं; बाक़ी जंगल को भी साफ़ किया जा सकता है, और जो भाग इस प्रयोजन के लिए उपयुक्त न हो वहाँ पनई ताड़ और महुआ के पेड़ लगाए जा सकते हैं।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

19वी शताब्दी → किसान आंदोलन

(1800 - 1900)

साहूकार ✓
सरकार ✓
अनाज व्यापार
लूट - पाट

1875 दक्कन

शुरू : पूना (सूपा) (मंडी)

अहमदनगर

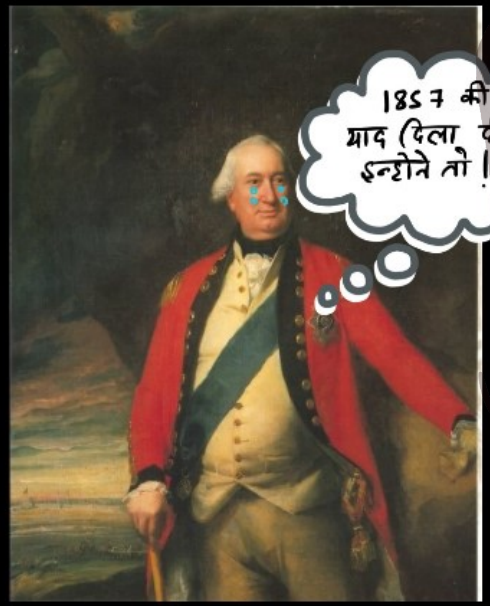

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(21)

झारखण्ड → राजमहल की पहाड़ियां

पहाड़िया जनजाति

संथाल जनजाति

1855-56

सिद्धू / कान्हू

संथाल परगना

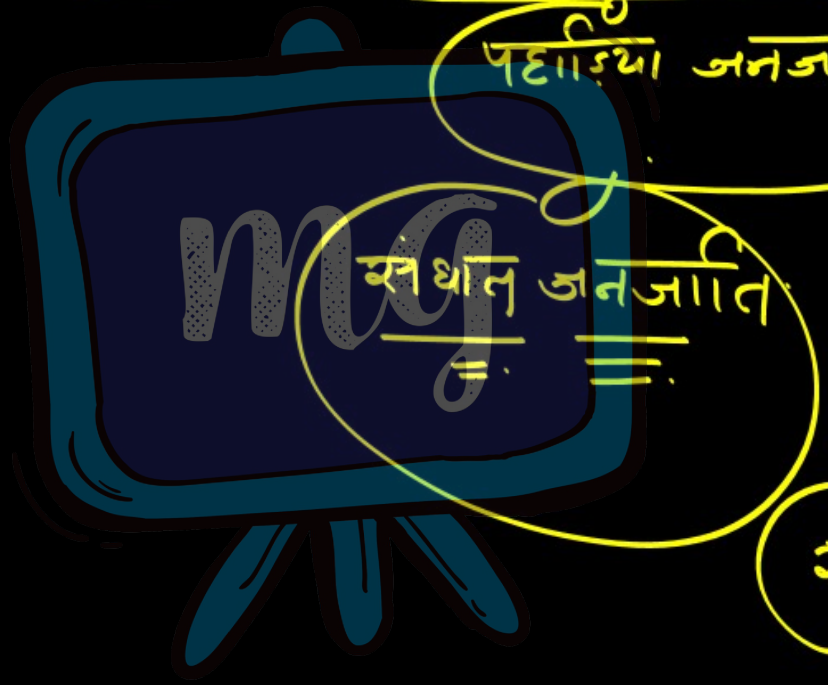

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

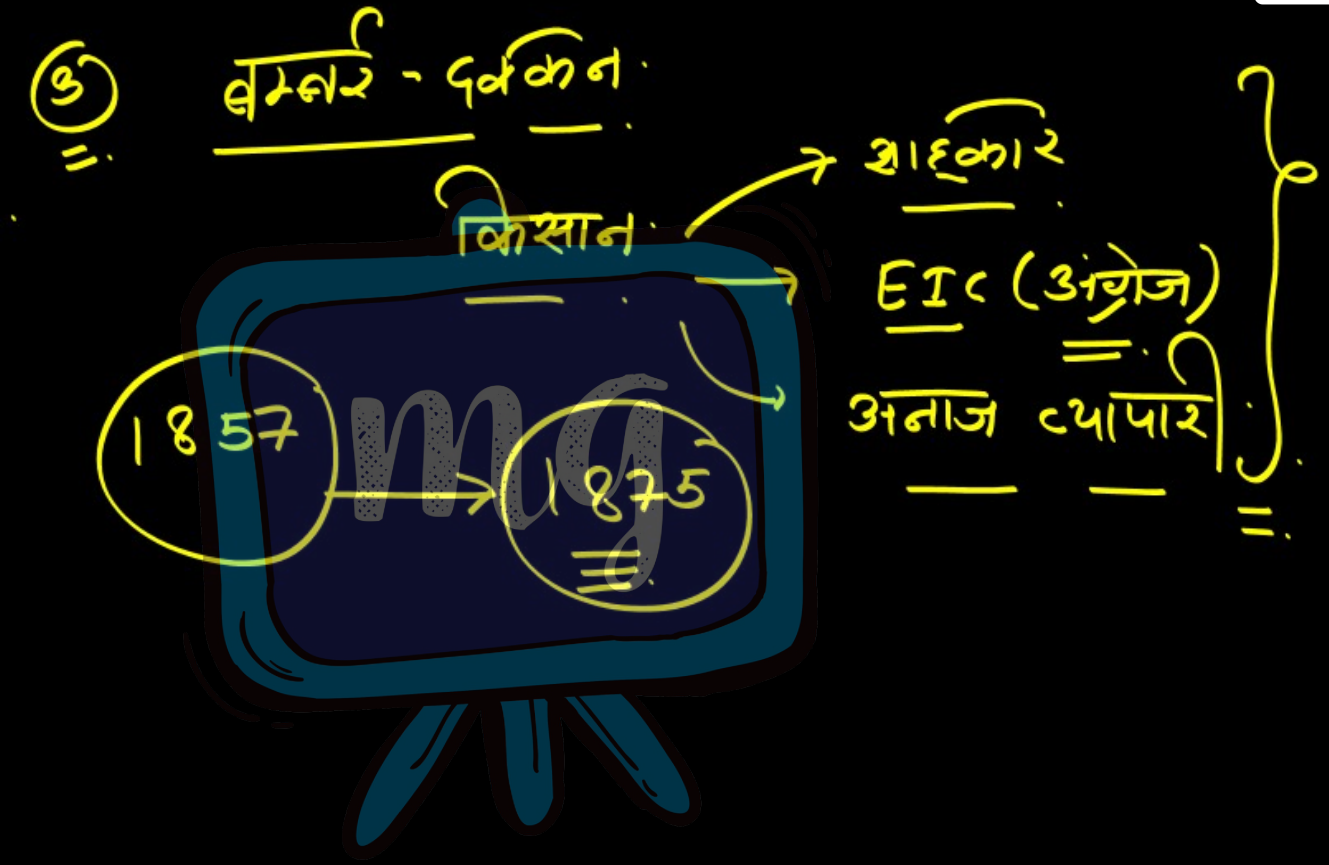

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



देहात विद्रोह

- बम्बई दक्कन (पूना)
- 12 मई 1875 किसानों ने साहूकारों के विरूद्ध विद्रोह किया। यह पूना के एक गाँव सूपा से प्रारम्भ हुआ।

क्यों ?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1810- खेती की कीमतें बढ़ी ↑

↓

उपज ↑ — ज़मींदार आमदनी ↑

EIC ✕ बढ़ी हुई आय का हिस्सा।

एक नयी राजस्व प्रणाली

- रैयतवाडी बन्दोबस्त : बम्बई दक्कन में लागू की गयी (मद्रास, बम्बई और असम)
- हर 30 वर्ष बाद जमीनों का फिर से सर्वेक्षण किया जाता था और राजस्व की दर तदनुसार बढ़ा दी जाती थी।
- 1820 ई. में सम्पूर्ण मद्रास में थामस मुनरो के द्वारा लागू की गयी।
- राजस्व की राशि सीधे रैयत के साथ तय की जाती थी।
- अकाल के समय भी राजस्व कठोरतापूर्वक वसूल किया जाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

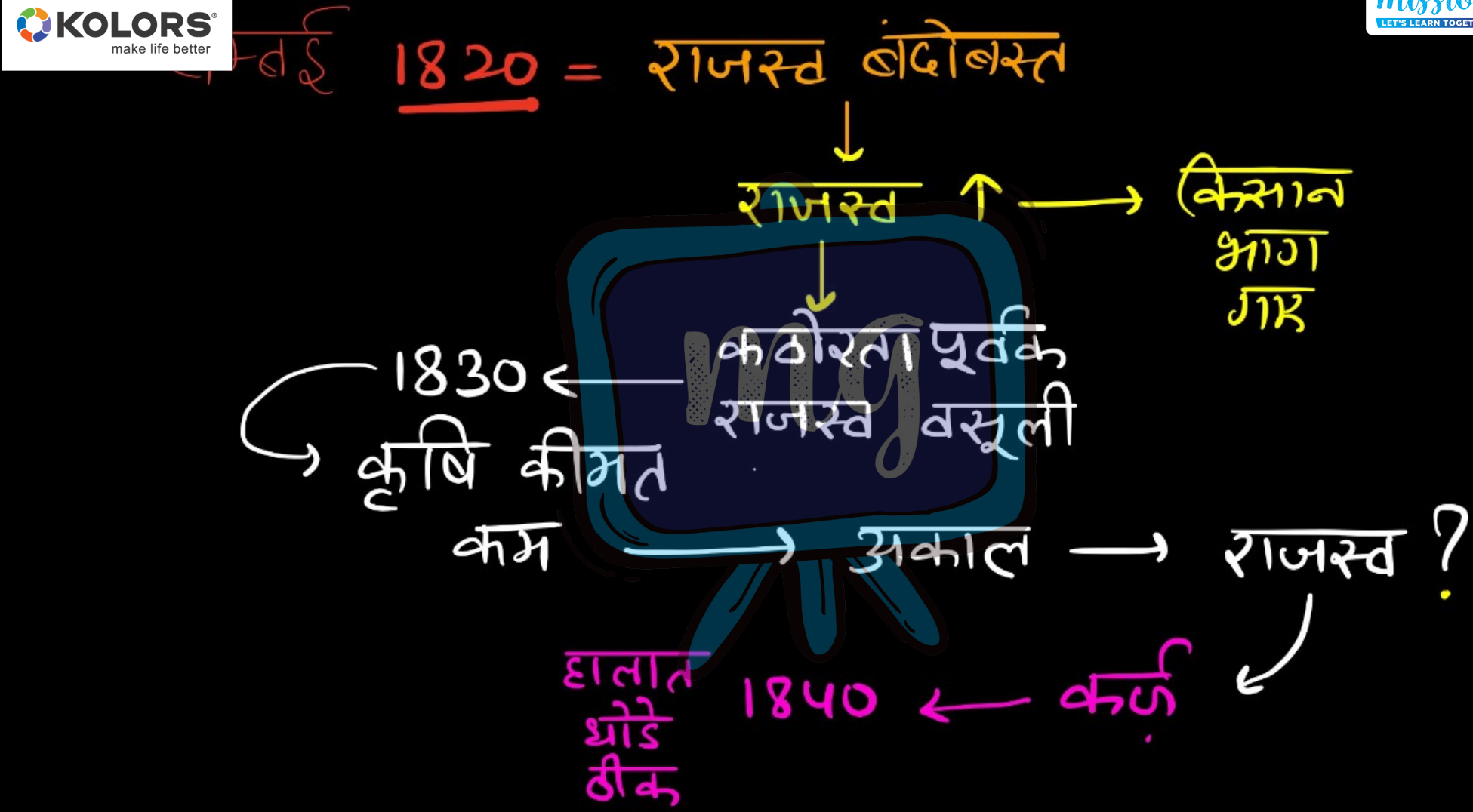

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1860 - कपास - 3/4 भाग = अमेरिका

अंग्रेजों को डर था - अगर स्त्रोत बंद हुए तो ?

→ स्त्रोत ढूंढ रहे थे।

1861 - अमेरिका गृहयुद्ध

↳ कपास में गिरावट

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अन्य देशों को संदेश = कपास लाओ !

बम्बई में कपास उत्पादन बढ़ाने की कोशिश की।

बम्बई कपास निर्यातक ⟶ साहूकारों

ग्रामीण किसान

प्रत्येक स्कूड = 100 ₹
अग्रिम राशि दी

90% भारत ⟶ ब्रिटेन